प्रेषक.

सौरभ जैन, अपर सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि०, देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-1,

देहरादूनः दिनाकः 🗘 दिसम्बर, 2008

विषय:-

जल विद्युत निगम की नाबार्ड से वित्त पोषित जल विद्युत परियोजनाओं हेतु RIDF-XIII+ एवं RIDF-XIV के अन्तर्गत धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 362, दिनांक 10.09.2008 एवं 382/नि0(वि0)/ उजिविनिलि/एफ—1(जीओवी), दिनांक 30.09.2008 के अनुकम में वित्तीय वर्ष 2008—09 में नाबार्ड की RIDF-XIII एवं XIV योजना के अन्तर्गत जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण/सुधारीकरण/उच्चीकरण के लिये नाबार्ड द्वारा रवीकृत धनराशि के सापेक्ष निम्न विवरणानुसार कुल धनराशि रु० 13,98,60,000.00 (रु० तेरह करोड़ अट्ठानबे लाख साठ हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष रवीकृति प्रदान करते हैं:—

अवमुक्त की जा रही धनराशि परियोजना का नाम क०सं० (क) नाबार्ड की RIDF-XIII के अन्तर्गत 262.00 असीगगा-। (4.5 मे0वा०) असीगंगा- ।। (4.5 में०वा०) 1019.00 2-1281.00 (ख) नाबार्ड की RIDF-XIV के अन्तर्गत 54.11 उर्गम (3 मे०वा०) 1-चिरकिला (1.5 मे0वा०) 27.56 गंगोरी (०.८० मे०वा०) 13.66 04.69 कन्चोटी (2 मे0वा०) 17.58 क्लागाड (1.2 मे0वा०) 117.60 योग महायोग 1398.60

 स्वीकृत धनराशि को आहिरत करने के लिये बिलों पर प्रतिहस्ताक्षरित करने के लिये जिलाधिकारी, देहरादून को प्राधिकृत किया जाता है।

2— रवीकृत धनराशि के आगणनों पर सक्षम अधिकारी का अनुमोदन प्राप्त किये बिना कार्य प्रारम्भ न किया जाय

अथवा नियमानुसार पूर्व से अनुमोदित एवं चालू कार्यो पर ही व्यय किया जाय।

3— धनराशि को उपयोग नाबार्ड के गाईड लाईन्स के अनुसार सुनिश्चित किया जाय तथा नाबार्ड के पत्र स0 1619/RIDF-XIII(Uttarakhand)/95PSC/2007-08, दिनांक 11.02.2008 एवं पत्र सं0 3351/RIDF-XIV(Uttarakhand)/99PSC/2007-08, दिनांक 30.09.2008 के प्रतिबन्धों / शर्तों का भी अनुपालन किया जायेगा।

4- उक्त स्वीकृत ऋण पर 6.5 प्रतिशत की दर से ब्याज देय होगा।

Xyam .

2

5— ऋण पर देय ब्याज एवं मूलधन की अदायगी संगत राजस्व लेखा शीर्षक में राज्य सरकार के खाते में की जायेगी । जिसकी वापसी नाबार्ड के शेड्युल के अनुसार सुनिश्चित की जाये ।

5— उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि0 व्यय की गई धनराशि का रिम्बर्समेंट क्लेम दिनांक 31.12.2008 तक

प्रस्तुत करेगा।

7- उक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र शीघ्र उपलब्ध कराया जायेगा, जिससे अग्रेत्तर कार्यवाही

की जा सके।

8— स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष मासिक आधार पर वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा और धनराशि का व्यय करने में नाबार्ड के दिशा निर्देशों तथा वित्तीय नियमों का अनुपालन किया जायेगा। अवमुक्त की जा रही धनराशि के उपयोग के पश्चात् परियोजनाओं का वी.सी.आर. प्रस्तुत करते हुये धनराशि प्रतिपूर्ति हेतु प्रतिपूर्ति दावे का प्रस्ताव तुरन्त वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जायेगा।

व्ययं करते समय बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूल्स, वित्तीय हस्त पुस्तिका, मितव्ययता के विषय में

समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जाये।

10— स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्हीं योजनाओं पर किया जायेगा, जिनके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है और निर्धारित समय में इसका उपयोगिता प्रमाण पत्र नाबार्ड को एवं राज्य सरकार को उपलब्ध करा दिया जायेगा।

11— रचीकृत ऋण को चालू वित्तीय वर्ष 2008–2009 के आय—व्ययक के अनुदान सं0 21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 6801—बिजली परियोजनाओं के लिये कर्ज–01—जल विद्युत उत्पादन—आयोजनागत— 190—सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश—04—नाबार्ड से जल विद्युत निगम को ऋण—30—निवेश / ऋण के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं0 758 /XXVII(1)/2008, दिनांक 03 दिसम्बर, 2008

द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

(सौरभ जैन) अपर सचिव

3137

संख्या:- /I(1)/2008-04(1)/12/2008, तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।

2- स्टाफ आफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड, देहरादून।

3- सचिव-मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।

4- जिलाधिकारी, देहरादून।

5— वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।

बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।

7- वित्तं अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन।

- ह- नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- प्रभारी, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10- ऊर्जा सैल, उत्तराखण्ड शासन।

11- गार्ड फाईल।

(एम०एम० सेमवाल) अनु सचिव

1. Decreased and Spring C. Hedge Cold. (2008-2007) 31-51. DECREAT BROWN